ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE (ECHO GROUP)

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXVII YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, AUGUST 2022 No.9

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

भजन १०७:३१-४१

३१ लोग यहोवा की करुणा के कारण, और उन आश्चर्यकर्मों के कारण जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें।

३२ और सभा में उसको सराहें, और पुरनियों की बैठक में उसकी स्तुति करें।

३३ वह नदियों को जंगल बना डालता है, और जल के सोतों को सूखी भूमि कर देता है।

३४ वह फलवन्त भूमि को नोनी करता है, यह वहाँ के रहनेवालों की दुष्टता के कारण होता है।

३५ वह जंगल को जल का ताल, और निर्जल देश को जल के सोते कर देता है।

३६ और वहाँ वह भूखों को बसाता है, कि वे बसने के लिये नगर तैयार करें;

३७ और खेती करें, और दाख की बारियाँ लगाएँ, और भाँति भाँति के फल उपजा लें।

३८ वह उनको ऐसी आशीष देता है कि वे बहुत बढ़ जाते हैं, और उनके पशुओं को भी वह घटने नहीं देता।

३९ फिर अन्धेर, विपत्ति और शोक के कारण, वे घटते और दब जाते हैं;

४० और वह हाकिमों को अपमान से लादकर मार्ग रहित जंगल में भटकाता है;

४१ वह दरिद्रों को दुःख से छुड़ाकर ऊँचे पर रखता है, और उनको भेड़ों के झुण्ड सा परिवार देता है।

परमेश्वर के सन्तानों की असली पहचान

THE IDENTITIES OF TRUE CHILDREN OF GOD!

Pr. S. Sam Selva Raj

तब उसने उससे कहा, "मैं वही यहोवा हूँ जो तुझे कसदियों के ऊर नगर से बाहर ले आया, कि तुझ को इस देश का अधिकार दूँ।"

उसने कहा, "हे प्रभु यहोवा, मैं कैसे जानूँ कि मैं इसका अधिकारी हूँगा?"

यहोवा ने उससे कहा, "मेरे लिये तीन वर्ष की एक कलोर, और तीन वर्ष की एक बकरी, और तीन वर्ष का एक मेढ़ा, और एक पिण्डुक और कबूतर का एक बच्चा ले।"

इन सभों को लेकर उसने बीच से दो टुकड़े कर दिया, और टुकड़ों को आमने-सामने रखा; पर चिड़ियों के उसने टुकड़े नहीं किए।

जब मांसाहारी पक्षी लोथों पर झपटे, तब अब्राम ने उन्हें उड़ा दिया।

जब सूर्य अस्त होने लगा, तब अब्राम को भारी नींद आई; और देखो, अत्यन्त भय और महा अन्धकार ने उसे छा लिया।

तब यहोवा ने अब्राम से कहा, "यह निश्चय जान कि तेरे वंश पराए देश में परदेशी होकर रहेंगे, और उस देश के लोगों के दास हो जाएँगे; और वे उनको चार सौ वर्ष तक दुःख देंगे।

फिर जिस देश के वे दास होंगे उसको मैं दण्ड दूँगा - और उसके पश्चात् वे बड़ा धन वहाँ से लेकर निकल आएँगे।"
(उत्पत्ति १५:७-१४)

अब्राहम ने तो परमेश्वर पर विश्वास किया और यह उसके लिये धार्मिकता गिनी गई (गलातियों ३:६)। परमेश्वर ने अब्राहम से जो प्रतिज्ञा की वह उसके वंशजों के लिए ४३० वर्षों बाद पूरी हुई। जिसने प्रतिज्ञा की वह विश्वासयोग्य है और वह अवश्य ही पूरी होगी। इसलिए, जब हम प्रभु पर भरोसा करेंगे तब वह धार्मिकता गिना जाएगा।

परमेश्वर हमसे क्या अपेक्षा करता है

परमेश्वर हमें बड़े स्तर पर आशीष देना चाहता है, जिसके लिए वह हमारे भरोसा और आज्ञाकारिता की अपेक्षा करता है। परमेश्वर की अपेक्षा की हमारी समझ अवर्णनीय है। **"आहा! परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गंभीर है! उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम हैं! प्रभु की बुद्धि को किसने जाना? या उसका मंत्री कौन हुआ? या किसने पहले उसे कुछ दिया है जिसका बदला उसे दिया जाए? क्योंकि उसी की ओर से, और उसी के द्वारा, और उसी के लिये सब कुछ है। उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे : आमीन।"** (रोमियों ११:३३-३६)।

एलिय्याह भविष्यद्वक्ता ने एक छोटे रोटी के टुकड़े की अपेक्षा की; परंतु सारपत की विधवा को पूरे साढ़े तीन सालों के लिए अकाल के

पृष्ठ 3 में क्रमश:...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

"For this is God, our God forever and ever; He will be our guide even to death" - Psalm 48:14.

प्रिय मित्रों,

जगत के उद्धारकर्ता हमारे प्रभु यीशु मसीह के अद्भुत नाम में आप सभी को अभिवादन।

हम एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों पर उसकी अपार आशीष के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं और हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर अपने भवन की भरपूरी से आपको तृप्त करे (भजन ३६:८)।

हमारे प्रभु यीशु मसीह की असीम कृपा और दया से, हम हमारी सेवकाई के ५४ वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। हम और सेवकाई के पिछले वर्षों के दौरान प्रभु की प्रेममयी कृपा और विश्वासयोग्यता के लिए स्तुति और धन्यवाद करते हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर

हम सम्मानपूर्वक पूरे संसार के अपने सभी मित्रों और भागीदारों को याद करते हैं और सम्मान देते हैं जिन्होंने हम से प्यार किया, प्रार्थना की, हमारी सहायता की और अच्छे और कठिन समय में हमारे साथ खड़े रहे। हम निश्चित रूप से जानते हैं कि हमारे प्रति आपके प्यार और दया के बिना, हम सेवकाई में इस स्तर तक नहीं पहुंच सकते थे।

हम अपने उन सभी पूर्व सहकर्मियों को कृतज्ञतापूर्वक याद करते हैं जो प्रभु के साथ महिमा में गए हैं अर्थात; भाई जी. कमलारत्नम आई.ए.एस., भाई. वालर डॉसन, भाई एस सी बकले, भाई जे आर सुंदरराज, भाई जयकुमार महाराज, भाई डी. डब्ल्यू. देवकांतन, भाई पुनः जयराज, भाई जी. जयानंद पहलमोनी और ब्र मैनुअल एम. पौलराज जो हमारी सेवकाई में महान सहायक थे।

हम पूरे भारत में और साथ ही साथ पड़ोसी देशों में भी और कलीसियाओं को स्थापित कर अपनी सेवकाई का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। ५४वें वर्ष में हमारे दर्शन की पूर्ति के लिए हम आपसे प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं।

हम पिछले कुछ वर्षों के दौरान कोंविड -१९ और लॉकडाउन के कारण अपेक्षा के अनुरूप पर्याप्त प्रगति नहीं कर सके। अब पवित्र आत्मा के उण्डेले के द्वारा गढ़ों को नीचे गिराने के लिए हमारी हार्दिक प्रार्थनाओं के लिए सही समय है।

विभिन्न बाधाओं के बावजूद नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका आदि के लोगों तक पहुँचने के लिए बेहतर अवसरों के खोले जाने के लिए आपकी उत्कट प्रार्थनाओं की लालसा करते हैं। हमें विश्वास है कि हमारा परमेश्वर सिंहासन पर है और वह नियंत्रण रखता है।

हम प्रार्थना करना जारी रखते हैं कि आप सभी चीजों में समृद्ध हो सकें और स्वस्थ रहें जैसे आपकी आत्मा उन्नति करती है (३ यूहन्ना २)। परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858, E.mail : samselvaraj333@gmail.com

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Dr. A. Richard Samuel, M.A., Ph.D.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

पृष्ठ 1 से आगे:...

खत्म होने तक रोटी मिली (१ राजा १७:१६-१८)। हमारी आमदनी भले ही कम हो, परमेश्वर हमें और आशीष देने के लिए एक भाग की अपेक्षा करता है। परमेश्वर के बच्चों की आशीष के लिए, वह उनसे अपेक्षा करता है कि उनकी आमदनी का कम से कम एक दसमांश हिस्सा कलीसिया में ले आए जहां वे संगति रखते हैं। **"मैं तुम्हारे लिये नाश करनेवाले को ऐसा घुड़कूँगा कि वह तुम्हारी भूमि की उपज नष्ट न करेगा, और तुम्हारी दाखलताओं के फल कच्चे न गिरेंगे, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है"** (मलाकी ३:१०)।

चारों ओर के दबाव से पीड़ित, आपका जीवन एक गम्भीर युद्ध भूमि लग सकता है; शायद आप छुटकारे का इंतज़ार कर रहे हैं। ढाढ़स बान्धें, परमेश्वर आपकी ओर है। यदि आप अपनी पहचान के बारे में भ्रमित हैं तो परमेश्वर आपके लिए कार्य नहीं करेगा।

हमें अपने स्थानों को बनाए रखना है

परमेश्वर की संतान होने के नाते हम भले ही इस संसार में हैं, लेकिन इस संसार के नहीं। हमारी नागरिकता स्वर्ग में है (फिलिप्पियों ३:२०)। परमेश्वर ने हमें मसीह के साथ जिलाया, और हमें उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाया (इफिसियों २:६)। कभी-कभी हम यीशु में अपने उच्च पदों को भूल जाते हैं और नीच कार्य करते हैं।

आइए एक उदाहरण देखते हैं : एक शासक का कार्यालय मुख्यालय में स्थापित किया जाता है, जहां से वह कार्य करता है। वह हमेशा वहां नहीं हो सकता है, क्योंकि वह कई देशों की यात्रा करता है। वह दूसरे देश का दौरा कर सकता है; फिर भी उसकी नागरिकता और पद नहीं बदलता है। वह वही है जो वह है और अपने देश का है। इसी तरह, परमेश्वर के बच्चे दुनिया के किसी भी देश के हो सकते हैं; लेकिन वे केवल स्वर्ग के हैं। वे इस संसार के नहीं हैं। हम इस संसार में अजनबी और प्रवासी हैं और हमें कुछ समय के लिए जीने की अनुमति है। हमारे दिन इस संसार में छाया के समान हैं (१ इतिहास २९:१५)। भजनकार कहता है, इस संसार में मैं परदेशी हूं (भजन संहिता ११९:१९)।

"जहाँ मैं परदेशी होकर रहता हूँ, वहाँ तेरी विधियाँ, मेरे गीत गाने का विषय बनी हैं।" (भजन ११९:५४) प्रेरित पतरस कहता है, हम चुने हुए यात्री हैं (१ पतरस १:१,२)।

उपरोक्त सत्य को विधिवत रूप से अपने मन में समाहित कर हमें इस संसार में रहने के लिए बुलाया गया है। साथ ही, हमें स्वर्ग में अपना धन इकट्ठा करने के लिए कहा गया है (मत्ती ६:१९, २०)। हम इस दुनिया के किसी भी देश में रह सकते हैं, कोई भी भाषा बोल सकते हैं, लेकिन हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि हम ईश्वर के राज्य के हैं। हालांकि, हमें उस देश की संस्कृति और आदतों को अपनाना होगा जिसमें हम रहते हैं। आइए हम सब बातों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें और एक दूसरे के प्रति अधीनता में रहें। बाइबल इसे इस प्रकार समझाती है -

"और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो। मसीह के भय से एक दूसरे के अधीन रहो। हे पत्नियो, अपने अपने पति के ऐसे अधीन रहो जैसे प्रभु के।" (इफिसियों ५:२०-२२) हे पतियो, अपनी पत्नी से प्रेम रखो (इफिसियों ५:२५,२८)।

हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में, प्रभु के लिए पवित्र के रूप में लिखा जाना चाहिए (१ पतरस १:१५)। **"उस दिन घोड़ों की घंटियों पर भी यह लिखा रहेगा,'यहोवा के लिये पवित्र।'"** (जकर्याह १४:२०)

"इस्राएल, यहोवा के लिये पवित्र और उसकी पहली उपज थी।" (यिर्मयाह २:३)

"ये वे हैं जो स्त्रियों के साथ अशुद्ध नहीं हुए, पर कुँवारे हैं; ये वे ही हैं कि जहाँ कहीं मेम्ना जाता है, वे उसके पीछे हो लेते हैं; ये तो परमेश्वर के निमित्त पहले फल होने के लिये मनुष्यों में से मोल लिए गए हैं।" (प्रकाशितवाक्य १४:४)

हमारी स्वर्गीय नागरिकता हमारे सभी आचरणों में दिखाई देनी चाहिए। हमें इसे सभी तरह से बनाए रखना होगा। कभी-कभी हम पूछ सकते हैं, मुझे दूसरों की तरह गलतियां क्यों नहीं करनी चाहिए? मैं इस संसार में कैसे रह सकता हूं, अगर मैं दूसरों की तरह नहीं करता? ऐसी स्थिति में हमारा संकल्प होना चाहिए कि दूसरे करते भी हैं तो मुझे नहीं करना चाहिए। मेरे पादरी रेव्ह. सुंदरम कहा करते थे, "दूसरे कर सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं करना चाहिए और नहीं करना चाहिए।"

इसलिए, सभी स्थितियों में, हमें एक अनोखा और अलग जीवन जीना चाहिए। कुछ मसीही कहते हैं कि उनके आत्मिक जीवन और धर्मनिरपेक्ष नौकरियों और व्यवसायों के बीच कोई संबंध नहीं है। उनकी खुशी, प्यार और सच्चाई, जो उन्हें चर्च में मिल सकती थी, उनके कार्यस्थल और उनके पेशे में नहीं मिली। कुछ व्यापार करते हुए प्रभु के लिए काम करते हैं। वे शायद ही कभी व्यापार में सच्चाई का पालन करते हैं। जो लोग काम करते हैं, वे दूसरों की तरह अपना व्यवसाय करते हैं, जिनमें से अधिकांश अविश्वसनीय होते हैं। वे दूसरों को धोखा देते हैं, अपनी व्यावसायिक रणनीति और तकनीकों का उपयोग प्रभु की सेवकाई में भी करते हैं और यहां तक कि अपने पास्टरों के साथ भी करते हैं जो उन्हें आत्मिक भोजन खिलाते हैं। जब उन्हें सलाह दी जाती है, तो वे कहते हैं, "सेवकाई और व्यवसाय अलग हैं।" यह अवधारणा पूरी तरह गलत है। परमेश्वर के बच्चों को अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में परमेश्वर के सच्चे सेवक के रूप में अपनी पवित्रता बनाए रखनी चाहिए। **"हम किसी बात में ठोकर खाने का कोई भी अवसर नहीं देते ताकि हमारी सेवा पर कोई दोष न आए।"** (२ कुरिन्थियों ६:३)

एक अनुभव :

एक बार मैंने परमेश्वर के एक प्रसिद्ध सेवक से संपर्क किया, जो परमेश्वर का काम कर रहा है और संगीत वाद्ययंत्र, अकॉर्डियन का व्यवसाय (खरीदी और बिक्री) कर रहा है, मैं भी मेरे लिए एक वाद्य खरीदना चाहता था। एक विशेष वाद्य दिखाते हुए उन्होंने मुझे बताया कि इस वाद्य का निर्माण दुनिया की सबसे अच्छी कंपनी द्वारा किया गया था। मैंने देय मूल्य का भुगतान किया और एक खरीद लिया। दुर्भाग्य से, मुझे एक हफ्ते के भीतर सेवकाई के लिए पैसों की सख्त जरूरत थी। इसलिए, मैंने नई खरीदी गई अकॉर्डियन को लिया और उस व्यक्ति को अपनी स्थिति और बिक्री के अपने प्रस्ताव के बारे में बताया। उसने तुरंत

मुझसे कहा, "इसे कौन खरीदेगा? निर्माता अब बाजार में नहीं हैं। उन्होंने सालों पहले अपनी फैक्ट्री बंद कर दी थी। यह एक खराब साधन है। यह बिक्री योग्य वस्तु नहीं है।" और उसने मुझे घर वापस ले जाने के लिए कहा। परमेश्वर के प्यारे बच्चों, हमें ऐसा नहीं होना चाहिए। हमें परमेश्वर की सन्तान के पद से नहीं हटना चाहिए। विभिन्न व्यवसायों में काम करने वाले मसीहियों को बहुत सतर्क रहना चाहिए और हर समय, हर चीज में अपनी स्थिति को बनाए रखना चाहिए।

विश्वासियों को सांसारिक लोगों के साथ घुलना-मिलना नहीं चाहिए और शराब पीना, नृत्य करना, भ्रष्टाचार करना, व्यसनी चीज़ें बेचना, व्यापार कदाचार आदि में लिप्त नहीं होना चाहिए।

दूसरा अनुभव :

एक बार मैं अपने एक मित्र को एक प्रसिद्ध चिकित्सक के पास ले गया। हम दोनों उसके चेम्बर में दाखिल हुए। बड़ी संख्या में चिकित्सा उपकरण अंदर रखे गए थे। लेकिन चेम्बर की कुर्सी खाली थी। जब हम अंदर गए तो देखा कि कुछ लोग बातें कर रहे हैं और हंस रहे हैं। हमने वहां एक व्यक्ति को अभिवादन किया और अपने दोस्त की समस्याओं को समझाना शुरू कर दिया, यह सोचकर कि वह डॉक्टर है, जिससे हम मिलना चाहते थे। जल्द ही उसने एक और व्यक्ति से मिलने का इशारा किया। हमारा सम्मान गलत व्यक्ति के पास गया था! जो पद प्रभु ने हमें अनुग्रहपूर्वक दिया है, उसे पूरी श्रद्धा के साथ रखा जाना चाहिए। हमें इसकी अवहेलना नहीं करनी चाहिए।

"इस कारण हे भाइयो, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे तो कभी भी ठोकर न खाओगे; वरन् इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे।" (२ पतरस १:१०-११)

परमेश्वर के बच्चों को हर समय अपने स्थान का सम्मान करना चाहिए जो परमेश्वर ने हमें दिया है। विश्वासियों को अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के विषय बहुत सावधान रहना होगा, वैसे ही सेवकों को भी। परमेश्वर के बच्चे इस संसार में महान हैं। हालाँकि वे इस संसार में रहते हैं, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षी मंजिल परमेश्वर का राज्य है।

२. उद्धार का पहरावा

"मैं यहोवा के कारण अति आनन्दित होऊँगा, मेरा प्राण परमेश्वर के कारण मगन रहेगा; क्योंकि उसने मुझे उद्धार के वस्त्र पहिनाए, और धर्म की चद्दर ऐसे ओढ़ा दी है जैसे दूल्हा फूलों की माला से अपने आपको सजाता और दुल्हिन अपने गहनों से अपना सिंगार करती है।" (यशायाह ६१:१०)

इसी तरह, जो लोग यीशु मसीह के लहू से धोए जाते हैं, उन्हें उद्धार का एक वस्त्र (पोशाक) दिया जाता है। **"कि तुम पिछले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ, और नये मनुष्यत्व को पहिन लो जो परमेश्वर के अनुरूप सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है।"** (इफिसियों ४:२२-२४)

हो सकता है कि कुछ लोगों को हम न जानते हों, लेकिन अगर वे उद्धार पाए हुए हैं, तो हम उनमें ईश्वरीय स्वभाव और उद्धार के आनंद को देख सकते हैं। न केवल हमारे गिरजाघरों में बल्कि हमारे कार्यस्थलों, बाजारों और अन्य स्थानों में भी, यदि दूसरे हमें परमेश्वर की संतान के रूप में पहचान सकते हैं, तो प्रभु की आशीष हमारे साथ रहेगी।

इन दिनों आत्मिक लोग भी दूसरों के बीच प्रभु, परमेश्वर, उद्धार, प्रार्थना आदि शब्दों का उपयोग करने से हिचकते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि चर्च जाते समय पवित्र बाइबल को अपने हाथों में ले जाना उनकी गरिमा से कम है। इन दिनों के लोग इस तथ्य से अनजान हैं कि, "हाथ जो पवित्र बाइबल ले जाते हैं और घुटने जो प्रार्थना में प्रभु के सामने झुकते हैं, जीवन में कभी असफल नहीं होते।"

एक बार मैं अपने परिवार के साथ एक होटल में गया था। खाना शुरू करने से पहले, हमने अच्छे दिन और भोजन के लिए प्रभु की स्तुति करते हुए प्रार्थना की। जब हमने प्रार्थना समाप्त की, तो हमने देखा कि पास की मेज पर बैठे कुछ मसीही हम पर व्यंग्य करते हुए हंस रहे थे। . उनका रूप और कृत्य बता रहा था : "अब भी, इस प्रकृति के लोग हैं।" चलो छोड़ देते हैं।

हर जगह और हर परिस्थिति में, परमेश्वर की सन्तान होने के नाते हमें इन गुणों को अच्छी तरह विकसित करना सीखना

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS

ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों ६:२), ✽ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✽ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ अगस्त २०२२ से १८ सितम्बर २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१६ अगस्त : हमारे सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, दसवीं कक्षा के छात्रों को उनकी सार्वजनिक सरकारी परीक्षा में १०० प्रतिशत परिणाम प्राप्त हुए।

२० अगस्त : हमारे एको ऑफ हिज़ कॉल के सहायक संपादकों और उनके परिवारों के लिए।

२१ अगस्त : हमारे पादरी और मुख्य चर्च और शाखा चर्चों के वरिष्ठ सदस्यों के लिए।

२२ अगस्त : हमारे सुसमाचार प्रिंटिंग प्रेस और कुशल श्रमिकों के साथ इसके निरंतर कार्य के लिए।

२३ अगस्त : परमेश्वर हमारे सुसमाचार छापखाने में **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाई के १६ भाषाओं में साहित्य प्रकाशन और वितरण पर आशीष दे रहा है।

२४ अगस्त : कार्यक्षेत्र में हमारे मिशनरियों और उनके परिवारों की रक्षा के लिए।

२५ अगस्त : मुख्य चर्च और शाखा कलीसियाओं में हमारी रविवार की सेवाओं और वचन की सेवा के लिए।

२६ अगस्त : हमारे गिरजाघरों में नए सदस्यों के समावेश के लिए।

२७ अगस्त : हमारे प्रायोजकों पर आशीष के लिए।

२८ अगस्त : हमारे वरिष्ठ पादरी और उनके परिवार के प्रति उसकी देखभाल के लिए।

२९ अगस्त : हमारे सहयोगी संपादक और उनके सहयोग के लिए।

३० अगस्त : हमारे नहेमायाह बाइबिल कॉलेज के लिए नए छात्र प्राप्त करने में हमें सक्षम बनाने के लिए।

अगस्त ३१ : पिछले महीने हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए।

सितंबर ०१ : राज्य समन्वयकों और उनकी सहभागिता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

सितंबर ०२ : मिशन कार्यकर्ताओं के बड़े समर्पण के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

सितंबर ०३ : परमेश्वर हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वा राज और उनके परिवार को सभी बुरे प्रभुत्व से बचा रहा है।

प्रार्थना विषय

०४ सितंबर : हमारी सेवकाई की गतिविधियों और विस्तार के लिए।।

०५ सितंबर : सेवकाई की गतिविधियों और राज्य में हमारे सहयोगी हमारे एको ऑफ हिज कॉल के समन्वयकों के लिए।

०६ सितंबर : हमारे सेवकाई के विस्तार और दुनिया भर में सुसमाचार के प्रचार के लिए।

०७ सितंबर : हमें भारत के अगम्य स्थानों तक पहुँचने में सक्षम बनाए।

०८ सितंबर : सभी देशों की एकता और शांति।

०९ सितंबर : हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्चों के सभी सदस्यों के लाभ के लिए।

१० सितंबर : पूरी दुनिया में सभी महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए।

११. सितंबर : हमारे वरिष्ठ पादरी एस सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों को हर तरह की बुरी ताकतों से सुरक्षित जीवन दे।

१२. सितंबर : परमेश्वर अपने कर्मचारियों और प्रिंटरों को उनके पूरे काम के घंटों के दौरान अपने परिसर में सुरक्षित और स्वस्थ रखे।

१३. सितंबर : हमारे नहेमायाह बाइबिल कॉलेजों में और अधिक नए छात्रों के लिए।

१४. सितंबर : प्रभु से अनुरोध करें कि वह प्रत्येक शराबी और दुष्ट से पश्चाताप करने के लिए भेंट करे।

१५. सितंबर : हमारे सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल को शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ के लिए और नए दाखिले मिले।

१६. सितंबर : परमेश्वर इस महीने की हमारी जरूरतों को पूरा करें।

१७ सितंबर : परमेश्वर दुनिया भर के सभी मसीहियों के बीच शांति और खुशी दे।

१८ सितंबर : हमारे राज्य समन्वयकों और उनके परिवारों की भलाई।

पृष्ठ 4 से आगे...

चाहिए। जो हमें देखते हैं उन्हें अपने आप देखना चाहिए कि हम बचाए गए हैं। हमारी संस्कृति और आदतों को देखकर हमें पूछना चाहिए, "क्या आप मसीही हैं? क्या आप उद्धार पाए हुए पुरुष/महिला हैं? उस हद तक हमारा रूप और पहनावा बरकरार रहना चाहिए। हमारा चेहरा हमारे हृदय को प्रतिबिंबित करने पाए।

एक बार मैं मिशन ट्रिप पर कनाडा गया था। परमेश्वर के एक परिपक्व व्यक्ति ने मुझे उसके चर्च में सेवा करने के लिए कहा। वह बहुत दयालु था। मैं उसमें परमेश्वर की छवि देख पा रहा था। शाम को वह मुझे एक जगह ले गया और मुझे सिखाया कि परमेश्वर के पहरावे और अन्य शिष्टाचार के साथ व्यक्ति कैसा होना चाहिए। उपदेशक जो लोगों को डांटते हैं कि शराब नहीं पीना चाहिए और क्षुद्र सुखों में लिप्त नहीं होना चाहिए, उनसे उन बातों से दूर रहने की उम्मीद की जाती है। लेकिन कुछ तो फ्लाइट लेकर विदेश में रहते हुए भी वैसे ही रहते हैं जैसे वे चाहते हैं! यह सब कुछ दयनीय है।

सड़कों पर वाहन तेजी से गुजरते हैं। हालांकि वाहन तेजी से चलते हैं और यातायात की मात्रा कुछ भी हो, जब यातायात पुलिस 'रुको' सिग्नल दिखाती है, तो सभी वाहन रुक जाते हैं। यहां हम एक ट्रैफिक पुलिस द्वारा वर्दी में 'रुको' सिग्नल के प्रदर्शन और बिना वर्दी के पुलिस के बीच एक बड़ा अंतर देख सकते हैं। वह जो वर्दी पहनता है, वह उसके अधिकार की पुष्टि करता है। हमारे आत्मिक जीवन में, उद्धार का हमारा अनुभव हमें अधिकार देता है, और सभी बुराईयों से सुरक्षा प्रदान करता है।

भजन १८:३५ इस प्रकार कहता है, "तू ने मुझ को अपने बचाव की ढाल दी है, तू अपने दाहिने हाथ से मुझे सम्भाले हुए है, और तेरी नम्रता ने महत्व दिया है।" देखिए, अगर हमें शांति से रहना है, तो हमें प्रभु के उद्धार की ढाल धारण करनी होगी। यह हमें सभी बुराइयों और विपत्तियों से बचाने के लिए एक ढाल के रूप में कार्य करेगी। तो, सभी स्थितियों में, उद्धार एक ढाल के रूप में हमारी रक्षा करती है।

जब हमारा सामना शैतान और संसार के लोगों से होता है, तो उद्धार का वस्त्र (ढाल) हमारी रक्षा करता है। मेरे एक मित्र ने, जो सेवकाई में है, मुझे एक सच्ची कहानी सुनाई। एक आदमी बुरी आत्माओं की चपेट में था और उसे अनकही पीड़ा में डाल दिया गया था। वह खाना नहीं खा सकता था। उसने उन लोगों पर हमला किया जो उसके पास से जा रहे थे। परिवार उस बीमार व्यक्ति को मेरे मित्र के पास प्रार्थना करने के लिए ले आया।

जब परमेश्वर का सेवक प्रार्थना करने लगा, तो बीमार व्यक्ति की दुष्टात्मा ने कहा - "यह मनुष्य जीवते परमेश्वर, यीशु मसीह की उपासना करता आया है। लेकिन उन्होंने हाल ही में इस गांव में आत्माओं को दिए गए बलिदानों में भाग लिया। इसलिए, मैं आया हूं और उसके साथ रहा हूं। मैं उसे और अधिक नुकसान नहीं पहुंचा सकता था क्योंकि उसके माता-पिता ने उसका नाम इम्मानुएल रखा था। क्योंकि वह इस नाम को धारण करता रहा है, मैं उसे नष्ट नहीं कर सका।" देखिए, इम्मानुएल के नाम के आगे भी शैतान कैसे निर्बल है?

इसलिए, जब हम अपने बच्चों का नाम रखते हैं, तो हमें बहुत सावधान रहना चाहिए। कुछ माता-पिता बिना ज्यादा सोचे-समझे अपने बच्चों का नाम उच्चारण करना भी मुश्किल कर देते हैं। अपने बच्चों को बाइबिल के नाम से मसीही बनाएं और आनन्दित हों। आप उनका नाम आत्मिक नेताओं और मिशनरियों के नाम पर भी रख सकते हैं और उन्हें विजयी जीवन जीने में सक्षम बना सकते हैं। ऐसी चीजें उन्हें लंबी उम्र और जीवन में अच्छा लक्ष्य देंगी। **"देख, मैं चोर के समान आता हूँ; धन्य वह है जो जागता रहता है, और अपने वस्त्र की चौकसी करता है कि नंगा न फिरे, और लोग उसका नंगापन न देखें।"** (प्रकाशितवाक्य १६:१५)

३. अलगाव का जीवन विजयी जीवन है

"इसलिये प्रिय बालकों के समान परमेश्वर का अनुकरण करो, और प्रेम में चलो जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया, और हमारे लिये अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिये परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया। जैसा पवित्र लोगों के योग्य है, वैसा तुम में व्यभिचार और किसी प्रकार के अशुद्ध काम या लोभ की चर्चा तक न हो; और न निर्लज्जता, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्ठे की; क्योंकि ये बातें शोभा नहीं देतीं, वरन् धन्यवाद ही सुना जाए। क्योंकि तुम यह जानते हो कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, जो मूर्तिपूजक के बराबर है, मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं।" (इफिसियों ५:१-५)

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
EVENING COLLEGE
Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.
माध्यमः तमिल
सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA
सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान
सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल
डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल
योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, BELLS ROAD, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

कुछ लोग इस दुनिया में इस उक्ति के साथ जीते हैं, कि वे जैसे चाहें वैसे रह सकते हैं और बोल सकते हैं। परन्तु परमेश्वर चाहता है कि उसके लोग इस संसार के सदृश्य न हों। संसार कह सकता है, संसार के अनुसार जियो। लेकिन यह परमेश्वर की इच्छा है कि हम एक अलग जीवन जिएं। लेकिन कुछ मसीही अलग जीवन की आड़ में अन्य मसीहियों के साथ जुड़ते भी नहीं हैं और दावा करते हैं कि वे अलग हो गए हैं और वचनों को दूसरों से बेहतर जानते हैं। यह गलत है, पवित्र शास्त्र द्वारा सिखाया गया अलग जीवन कुछ अलग है। मसीहियों के एक साथ आने में कोई बुराई नहीं है। हमें इसे सही अर्थों में समझना होगा और अलगाव का जीवन प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित का पालन करना होगा।

(अ) परमेश्वर का अनुसरण करना

आजकल कई मसीही राजनीति में शामिल हो रहे हैं। अगर वे वहां सच्चाई बनाए रखते हैं तो परमेश्वर का नाम अपवित्र नहीं होगा। वे इसे लोगों की सेवा करने का एक तरीका जान कर कर सकते हैं। लेकिन यह उनके जीवन का पहला प्यार नहीं होना चाहिए। यीशु उनके जीवनों में प्रथम होना चाहिए। लेकिन कुछ पादरी भी राजनीति में कूद पड़ते हैं और अपना समय और प्रतिभा बर्बाद कर देते हैं। समय और पैसा जो उनके चर्चों और परिवारों के लिए खर्च किया जाना चाहिए था राजनीति पर खर्च नहीं करना चाहिए। पास्टर को जिन्हें परमेश्वर की सेवकाई में बुलाया जाता है, राजनीति में दखल नहीं देना चाहिए।

(ब) सांसारिक मामलों में न उलझें

"पौलुस की ओर से जो, उस जीवन की प्रतिज्ञा के अनुसार जो मसीह यीशु में है, परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित है, प्रिय पुत्र तीमुथियुस के नाम : परमेश्वर पिता और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से तुझे अनुग्रह और दया और शान्ति मिलती रहे। धन्यवाद और प्रोत्साहन जिस परमेश्वर की सेवा मैं अपने बापदादों की रीति पर शुद्ध विवेक से करता हूँ, उसका धन्यवाद हो कि मैं अपनी प्रार्थनाओं में तुझे लगातार स्मरण करता हूँ, और तेरे आँसुओं की सुधि कर करके रात दिन तुझ से भेंट करने की लालसा रखता हूँ कि आनन्द से भर जाऊँ। मुझे तेरे उस निष्कपट विश्वास की सुधि आती है, जो पहले तेरी नानी लोइस और तेरी माता यूनीके में था, और मुझे निश्चय है कि तुझ में भी है।" (२ तीमुथियुस २:१,३-५) जिसे सेवकाई में बुलाया जाता है, वह परिवार के पोषण के लिए संबंधित कार्य कर सकता है। हालांकि उन्हें खुद को राजनीति, संघों, व्यापारों, क्लबों, आदि में नहीं उलझना चाहिए। यहाँ "उलझन" शब्द अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि **"कोई दास दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता : क्योंकि वह तो एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा; या एक से मिला रहेगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।"** (लूका १६:१३)।

(क) प्रेम में चलें

"और प्रेम में चलो जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया, और हमारे लिये अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिये परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया।" (इफिसियों ५:२) १ कुरिन्थियों अध्याय १३ सिद्ध प्रेम के बारे में बोलता है। **"प्रेम धीरजवन्त है, और कृपालु है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं, वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुँझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है। वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में**

....Contd. to page 9

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको *आपके लिए नया जीवन* शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

TAX EXEMPTION

Donations by any individual or organization from India to **Echo of His Call Educational Trust** are eligible for Income Tax exemption under Section 80G of the Income Tax Act. Official receipts will be issued for this purpose. Please make your Demand Drafts / Cheques / M.O. for such donations in favour of **Echo of His Call Educational Trust** and send to us, along with your Aadhar Number and PAN for getting Income Tax Exemption.

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

परमेश्वर के कार्य के लिए मेरी बुलाहट
My call for God's Work

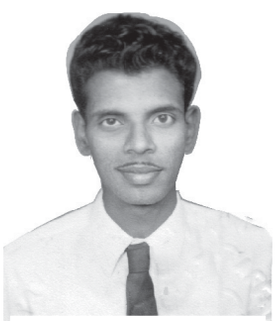

S. Sam Selva Raj
(Age : 18)

१६-१८ वर्ष की किशोरावस्था से ही पवित्र आत्मा के प्रभाव ने मेरे आंतरिक जीवन और विचारों को बदलना शुरू कर दिया था, जिसने मुझे टाइप-राइटिंग, शॉर्ट हैंड और अंग्रेजी सीखकर अपने कौशल को तेज करने का निर्देश दिया; और ये सब मेरी वर्तमान सेवकाई में बहुत उपयोगी हो गए हैं। मुझे व्यक्तिगत रूप से परमेश्वर के सच्चे सेवकों जैसे रेव्ह एस देवदासन (उसके आगमन का दूत), पादरी साधु येसुदास (किरूबासनम चर्च), पादरी

Sis. Sarah Navaroji

Pastor Sadhu Yesudas

अब्राहम (इंडियन पेंटेकोस्टल चर्च), पास्टर एन जीवानंदम (मगिज़ची पत्रिका) और बहन सारा नवारोजी (चेन्नई)। मैं उनको देख सका और उनसे आत्मिक सत्यता, पवित्र जीवन के प्रति आकर्षण, कड़ी मेहनत में दृढ़ संकल्प, धैर्य, प्रेम, त्याग, नम्रता, अधीनता, आज्ञाकारिता, उपवास, प्रार्थना और परमेश्वर की सेवा करना सीख सका।

जब मैं उनके आत्मिक पदचिन्हों पर चल रहा था, मैंने दृढ़ता से महसूस किया कि स्वर्ग में हमारे लिए जो अच्छाई है, उसका आनंद इस दुनिया में भी लिया जा सकता है।

उस समय स्वर्गीय रेव्ह. एस. देवदासन (उनके आगमन का दूत) ने मुझे एक पत्र लिखा था, जिसमें मुझे उनके साथ प्रभु की सेवा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। मैं बहुत खुश था क्योंकि यह मेरे लिए एक अच्छा भविष्य होगा, लेकिन मेरे माता-पिता इसके बारे में चुप थे। इसलिए मैंने अपनी साधारण साक्षियों को साझा करना जारी रखा, हमेशा की तरह प्रार्थना की और ट्रैक्ट बांटे। मैंने खुद को पूरी तरह से प्रभु के प्रति समर्पित कर दिया और इस चुनौती में मेरी अगुवाई करने के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की।

जब कोई रास्ता नहीं खुला तो मुझे अपने कुछ दोस्तों का प्यार मिल गया। मेरे आत्मिक जीवन में रुकावट आई। हालाँकि मुझमें परमेश्वर का भय और उस पर विश्वास था, फिर भी कुछ हासिल करने की मेरी महत्वाकांक्षा थी। इसलिए मैंने अपने घर के एक हिस्से को अपने दोस्तों द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने के लिए अलग रखा; जॉन, पेरुमल आसरी, मणिकंदन जैसे मेरे कुछ दोस्तों के साथ जुड़ा रहा। मैंने एक संस्था भी शुरू की और उसका नाम सोमबेरी मैडम (लेजी कॉन्वेंट) रखा। इस तरह मेरा जीवन पटरी से उतर गया। मेरे माता-पिता और रिश्तेदारों को नहीं पता था कि क्या करना है। लेकिन मेरी मां ने दिल से प्रार्थना करना शुरू कर दिया।

ऐसी स्थिति में, रेव्ह. एस. देवदासन, जिनकी आयु लगभग ६२ वर्ष है, श्वेत वस्त्र पहने, एक हाथ में छाता और दूसरे हाथ में बाइबिल लिए हुए और एक सुबह मेरे घर आए। मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह उस समय हमारे घर आएंगे। मैंने उन्हें केवल एक बार उनके कार्यालय में देखा था। उन्हें देखकर मैं डर गया और मैं अपनी मां के

Pr. S. Sam Selva Raj
& Rev. S. Devadasan

पीछे छिप गया। पास्टर प्यार से और गंभीरता से मुझे और मेरे कमरे को देख रहे थे। अंत में वह मुझे और मेरी माँ दोनों को देख रहे थे, उन्होंने कहा, "परमेश्वर इस लड़के को अपनी सेवा के लिए बुला रहा हैं। यह लड़का सैम सेल्वा राज कल सुबह ६ बजे मेरे दफ्तर में आ जाना चाहिए।" फिर उन्होंने प्रार्थना की और मेरे घर से निकल गये।

उसी समय से हमारे परिवार में खुशी का माहौल छा गया। एक मीठी सुगंध थी जिसने हमारे घर को भर दिया। उस दिन, मैंने अपने

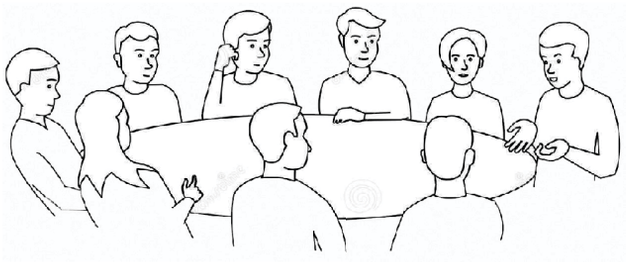

सभी दोस्तों को आमंत्रित किया, मेरी मां द्वारा तैयार की गई एक अच्छी दावत की मेजबानी की। मैंने उनसे कहा कि हम "लेज़ी कॉन्वेंट" छोड़ रहे हैं और उन्हें विदाई दी। वे चौंक गए और मुझे जवाब देने के लिए उनके पास कुछ नहीं था, इसलिए वे चले गए।

अगले दिन मैं उनके आदेशानुसार रेव्ह एस देवदासन के पास गया। मैं उनका आत्मिक पुत्र और उनका विनम्र सेवक भी बना। मैं उनके जीवन की हर गतिविधि पर नज़र रखने लगा और मैं उनका विनम्र सहायक बन गया। उनके पीछे-पीछे, मैंने घुटने टेककर लंबे समय तक प्रार्थना करना शुरू किया, लंबे समय तक ज़ोर से बाइबल पढ़ी, मनन किया और जो कुछ भी प्रभु मुझसे कह रहा था उसे लिख लिया।

यह देखते हुए कि प्रभु मेरे भविष्य में मेरा उपयोग कैसे करेंगे, रेव्ह एस देवदासन ने मुझे परमेश्वर की धार्मिकता, पवित्रता और खोई हुई आत्माओं के लिए एक बोझ उठाने में सख्ती से मेरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने मुझे सच्चाई, प्रार्थनापूर्ण जीवन और वचन का ध्यान करना भी सिखाया। उन्होंने मुझे स्पष्ट रूप से सिखाया कि कैसे ईमानदारी से परमेश्वर की सेवा करना है, पवित्र जीवन क्या है, बिना पैसे के भी परमेश्वर की सेवकाई में कैसे परिश्रम करना है और परमेश्वर के वचन के अनुसार परमेश्वर की सेवकाई के लिए धन कैसे जुटाना है। उन्होंने मुझे उन पर चलने के लिए प्रशिक्षित भी किया।

****

पृष्ठ 7 से आगे...

धीरज धरता है।" (४-७)।

(ड) धर्मी को इन बातों से सम्बंध नहीं रखना है

पवित्र लोगों के खिलाफ व्यभिचार और अशुद्धता जैसी बातें, धन का लोभ जैसी बातें नहीं होनी चाहिए। और ऐसे नामों को भी उनके साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। इसी तरह बेहूदा बातचीत, अनुचित वार्तालाप, उपहास आदि करने से बचें। यहोवा की स्तुति करना सही बात है। **"जैसा पवित्र लोगों के योग्य है, वैसा तुम में व्यभिचार और किसी प्रकार के अशुद्ध काम या लोभ की चर्चा तक न हो; और न निर्लज्जता, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्ठे की; क्योंकि ये बातें शोभा नहीं देतीं, वरन् धन्यवाद ही सुना जाए।"** (इफिसियों ५:३,४)

(ई) वे लोग जिनका यीशु में कोई हिस्सा नहीं है

जो लोग व्यभिचार, अशुद्धता और पैसों के मूर्तिपूजक हैं वे परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं करेंगे। **"और न निर्लज्जता, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्ठे की; क्योंकि ये बातें शोभा नहीं देतीं, वरन् धन्यवाद ही सुना जाए। क्योंकि तुम यह जानते हो कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, जो मूर्तिपूजक के बराबर है, मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं" (इफिसियों ५:४,५)।** दैवीय कवि थिरूवल्लूवर ने कहा है : "कोई सफाचट दाढ़ी या लंबे बाल नहीं; यदि उसे मिटा दो, जिससे संसार घृणा करता है।" सफाचट दाढ़ी और लंबी दाढ़ी द्वारा गलत तरीके से दिखावा न करें। निषिद्ध बातों में शामिल न होना हमेशा अच्छा होता है। **"ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते हैं, पर उनका मन मुझ से दूर रहता है। और ये व्यर्थ मेरी उपासना करते हैं, क्योंकि मनुष्यों की विधियों को धर्मोपदेश करके सिखाते हैं।"** (मत्ती १५:८,९)

(फ) जीवित बलिदान

प्रेरित पौलुस हमें प्रोत्साहन देता है कि हम अपने शरीरों को जीवित बलिदान, पवित्र, परमेश्वर के लिए स्वीकारणीय रूप में चढ़ाएं, जो कि उचित सेवा है। **"इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चालदृचलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो"** (रोमियों १२:२)।

ये पराकाष्ठा के अनुभव मुश्किल लगते होंगे, परंतु जिन्होंने ये अनुभव पाए हैं वे फिर भी परमेश्वर की आवाज़ सुन सकते हैं। परमेश्वर का तम्बु मनुष्यों के मध्य में है। वह उनके मध्य वास करेगा। वे उसके लोग होंगे। **"फिर मैं ने सिंहासन में से किसी को ऊँचे शब्द से यह कहते हुए सुना, "देख, परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है। वह उनके साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा।"** (प्रकाशितवाक्य २१:३)। परमेश्वर हमें भी यह अनुभव दे! आमेन।

****

संकलित

भारत में मसीही धर्म २००० वर्षों से है। यह यूरोपीय लोगों के माध्यम से अभी नहीं आया। यह पहली शताब्दी में सेंट थहमस के माध्यम से आया था। मसीही धर्म श्वेत लोगों का धर्म नहीं है। "याद रखें, सेंट थॉमस भारत आए थे जब यूरोप के कई देशों में अभी तक मसीही नहीं बने थे, और इसलिए वे भारतीय जो अपने मसीही धर्म का पता लगाते हैं उनके पास बहुत से यूरोपीय देशों के मसीहियों की तुलना में एक लंबा इतिहास और एक उच्च वंश है। और यह वास्तव में हमारे लिए गर्व की बात है कि ऐसा हुआ है।"

– डॉ. राजेंद्र प्रसाद, भारत के पहले राष्ट्रपति, १८ दिसंबर १९५५ को।

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

WANTED

1. An efficient Post Graduate with experience for the post of **PRINCIPAL** for our Matriculation School.
2. An efficient and well experienced **ASSISTANT** for our Office with knowledge of Typing and Computer.

Contact : **ECHO OF HIS CALL**

Cell : 98412 71858
E.mail : sam@echoofhiscall.org

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 8th AUGUST, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**